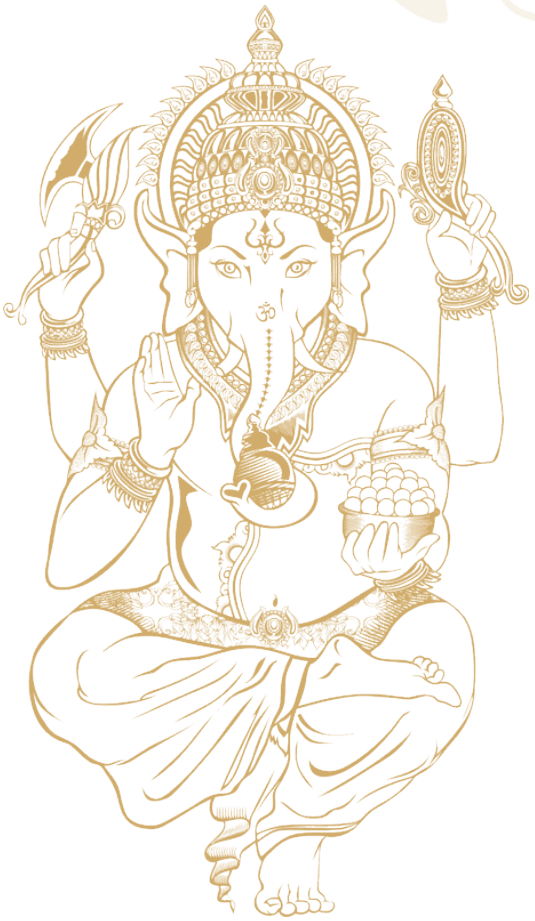

Deepak

20 Nov 1976

06:15 AM

Shamli

Model: web-freekundliweb

Order No: 121517011

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**19-20/11/1976**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**06:15:00 घंटे**
इष्ट	58:36:43 घटी
स्थान	**Shamli**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:27:00 उत्तर
रेखांश	77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:54:12 घंटे
वेलान्तर	00:14:36 घंटे
साम्पातिक काल	09:50:51 घंटे
सूर्योदय	06:48:18 घंटे
सूर्यास्त	17:24:02 घंटे
दिनमान	10:35:44 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	04:17:27 वृश्चिक
लग्न के अंश	26:15:18 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	सौभाग्य
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रे-रेवती
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	26:15:18	305:35:36	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	---
सूर्य			वृश्चि	04:17:27	01:00:36	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	मित्र राशि
चंद्र			तुला	11:37:17	15:05:06	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	सम राशि
मंगल		अ	वृश्चि	05:46:32	00:42:48	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	स्वराशि
बुध		अ	वृश्चि	11:30:24	01:33:06	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	सम राशि
गुरु	व		वृष	02:21:27	00:08:11	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			धनु	13:11:36	01:12:11	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	सम राशि
शनि			कर्क	23:17:06	00:00:53	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	शत्रु राशि
राहु	व		तुला	09:55:33	00:00:09	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		मेष	09:55:33	00:00:09	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	मित्र राशि
हर्ष			तुला	15:11:48	00:03:37	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	---
नेप			वृश्चि	19:33:52	00:02:12	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
प्लूटो			कन्या	19:43:54	00:01:49	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	केतु	---
दशम भाव			सिंह	01:54:42	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:32:11

लग्न-चलित

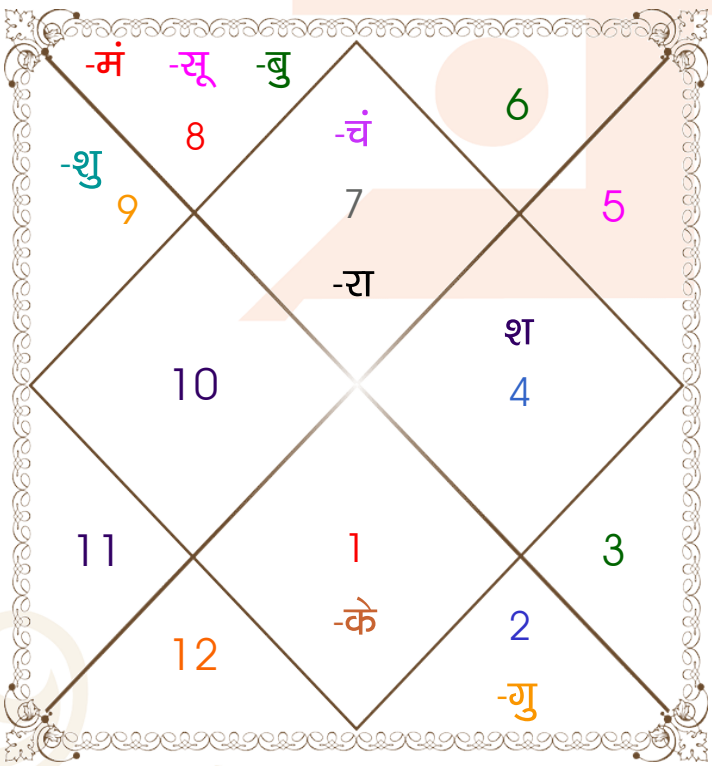

चन्द्र कुंडली

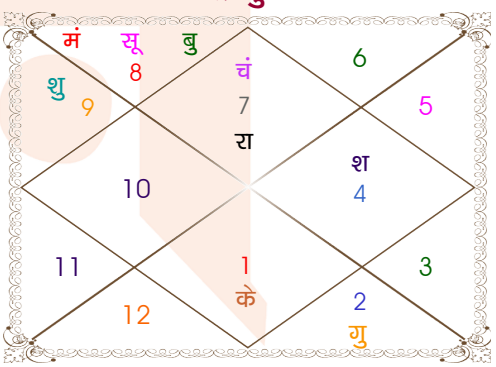

नवमांश कुंडली

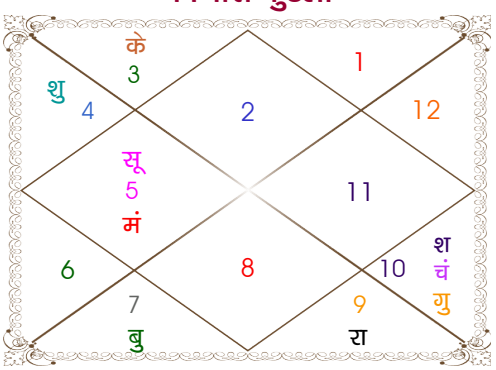

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 11 वर्ष 3 मास 22 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
20/11/1976		13/03/1988		13/03/2004		14/03/2023		13/03/2040	
13/03/1988		13/03/2004		14/03/2023		13/03/2040		14/03/2047	
	00/00/0000	गुरु	01/05/1990	शनि	17/03/2007	बुध	10/08/2025	केतु	09/08/2040
	20/11/1976	शनि	12/11/1992	बुध	24/11/2009	केतु	07/08/2026	शुक्र	09/10/2041
शनि	23/02/1978	बुध	18/02/1995	केतु	03/01/2011	शुक्र	07/06/2029	सूर्य	14/02/2042
बुध	12/09/1980	केतु	24/01/1996	शुक्र	05/03/2014	सूर्य	13/04/2030	चंद्र	15/09/2042
केतु	30/09/1981	शुक्र	24/09/1998	सूर्य	15/02/2015	चंद्र	13/09/2031	मंगल	11/02/2043
शुक्र	30/09/1984	सूर्य	14/07/1999	चंद्र	15/09/2016	मंगल	09/09/2032	राहु	01/03/2044
सूर्य	25/08/1985	चंद्र	12/11/2000	मंगल	25/10/2017	राहु	29/03/2035	गुरु	05/02/2045
चंद्र	24/02/1987	मंगल	19/10/2001	राहु	31/08/2020	गुरु	04/07/2037	शनि	17/03/2046
मंगल	13/03/1988	राहु	13/03/2004	गुरु	14/03/2023	शनि	13/03/2040	बुध	14/03/2047

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
14/03/2047		14/03/2067		13/03/2073		14/03/2083		14/03/2090	
14/03/2067		13/03/2073		14/03/2083		14/03/2090		00/00/0000	
शुक्र	13/07/2050	सूर्य	01/07/2067	चंद्र	12/01/2074	मंगल	10/08/2083	राहु	24/11/2092
सूर्य	14/07/2051	चंद्र	31/12/2067	मंगल	13/08/2074	राहु	28/08/2084	गुरु	19/04/2095
चंद्र	13/03/2053	मंगल	07/05/2068	राहु	12/02/2076	गुरु	03/08/2085	शनि	20/11/2096
मंगल	14/05/2054	राहु	01/04/2069	गुरु	13/06/2077	शनि	12/09/2086		00/00/0000
राहु	13/05/2057	गुरु	18/01/2070	शनि	12/01/2079	बुध	09/09/2087		00/00/0000
गुरु	12/01/2060	शनि	31/12/2070	बुध	12/06/2080	केतु	06/02/2088		00/00/0000
शनि	14/03/2063	बुध	06/11/2071	केतु	12/01/2081	शुक्र	07/04/2089		00/00/0000
बुध	12/01/2066	केतु	13/03/2072	शुक्र	12/09/2082	सूर्य	13/08/2089		00/00/0000
केतु	14/03/2067	शुक्र	13/03/2073	सूर्य	14/03/2083	चंद्र	14/03/2090		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 11 वर्ष 3 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त व्यक्ति हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहते। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगे। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करते हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करते हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखते हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहते हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि के हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगे। इस प्रकार आप अपने क्षतिग्रस्त राह को पुननिर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपने लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगे।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपनी पत्नी के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपनी जीवन संगिनी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकते हैं।

आप विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपकी वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकते हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के संबंध

अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।